वागड़ संदेश

Tital Code RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई मेल editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-218 सागवाड़ा, शुक्रवार, 15 अप्रेल, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

राणा पूंजा की मूर्ति लगाने पर बीटीपी के 2 विधायक समेत 150 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

डूंगरपुर। शहर के सदर थाना सर्किल पर राणा पूंजा भील की मूर्ति लगाने के बाद मामला गर्मा गया है। बीटीपी के दोनों विधायक समेत 150 लोगो के खिलाफ अवैध तरीके से मूर्ति लगाने और लोगों में खौफ का माहौल पैदा करने का केस दर्ज कर लिया है। डूंगरपुर के चौरासी से बीटीपी विधायक राजकुमार रोत, सागवाड़ा विधायक रामप्रसाद डिंडोर समेत कई लोगों ने मिलकर कल गुरुवार को शहर के सदर थाना सर्किल पर राणा पूंजा की मूर्ति लगा दी। बिना मंजूरी और अवैध तरीके से मूर्ति लगाने के बाद प्रशासन और पुलिस में भी हड़कंप मच गया था। घटना के बाद अब नगर परिषद आयुक्त ने मामले में कोतवाली थाने में केस दर्ज करवाया है। इसमें बिना मंजूरी के नगर परिषद के सरकारी सर्किल पर मूर्ति लगाने, लोगो की भीड़ इकट्ठी करने, भड़काने समेत कई धाराओं में केस दर्ज करवाया गया है। बीटीपी विधायक राजकुमार रोत, रामप्रसाद डिंडोर, अनुतोष रोत निवासी लोलकपुर, बीपीवीएम के प्रदेश संयोजक पोपट खोखरिया, आसपुर विधानसभा से बीटीपी के प्रत्याशी रहे उमेश डामोर, मास्टर भंवरलाल परमार, वकील चंदूलाल बरंडा, दिनेश घुवेड, पंचायत समिति सदस्य भाटपुर लोकेश कटारा, मोहनलाल रोत डोजा, जिला परिषद सदस्य पार्वती डोडा, माया कलासुआ, सलीम, राजू डोडा, नमोनारायण मीणा निवासी सेरावाड़ा, साबला प्रधान ललिता डेंडोर, चिखली प्रधान शर्मिला ताबियाड, दोवड़ा प्रधान प्रभुलाल अहारी उर्फ सागर, मुकेश कलासुआ इंद्रखेत, अशोक गामड़ी सरपंच पुत्र, जयंतीलाल उपसरपंच गामड़ी खास, कपिल हडात शिशोद, धूलेश्वर संचिया, झोंथरी उपप्रधान लालकृष्ण सरपोटा, अनिल बरंडा कांकरादरा, सोहनलाल मीणा खरवर खुनिया पार्षद पति डूंगरपुर समेत 100 से 150 लोगो के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। नगर परिषद के कर्मचारी विकास लेघा, राजा मलिक, कोतवाली थाने से हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र सिंह, कांस्टेबल जगदीश ने समझाइश की। विधायक समेत सभी लोगो को परमिशन के बाद ही मूर्ति लगाने के कहा, लेकिन नहीं माने और जबरन मूर्ति लगा दी गई। कोतवाली पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राणा पूंजा सर्किल पर स्थापित हुई राणा पूंजा की मूर्ति

बीटीपी विधायकों व कार्यकर्ताओं की मौजूदगी स्थापित की मूर्ति

डूंगरपुर। शहर में सदर थाने के पास सर्किल पर राणा पूंजा की मूर्ति स्थापना को लेकर चल रहे विवाद में आज नया मोड़ आ गया। जहां पूरा प्रशासन आज राज्यपाल के दौरे को लेकर सागवाड़ा में था वही पीछे से विवादों के बीच बीटीपी विधायकों ने कार्यकर्ताओं के साथ अपने स्तर पर राणा पूंजा की मूर्ति स्थापित कर दी। इधर इस पुरे मामले में पुलिस और इंटेलिजेंस का फेलियोर भी रहा। मामले के अनुसार डूंगरपुर शहर में सदर थाने के पास स्थित सर्किल को जैन मुनि तरुण सागर महाराज व राणा पूंजा के नाम से करने को लेकर पहले विवाद चल रहा था। नगरपरिषद ने तरुण सागर महाराज के नाम से अन्यत्र सर्किल बनाने के काम के बाद ये विवाद को खत्म हो गया था। लेकिन फिर इसके बाद सर्किल पर मूर्ति स्थापना के लिए डूंगरपुर नगरपरिषद ने राणा पूंजा की मूर्ति बनवाकर मंगवा भी ली थी लेकिन सदर थाने के पास सर्किल पर राणा पूंजा की मूर्ति स्थापना को लेकर डूंगरपुर नगरपरिषद, डूंगरपुर से कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा व बीटीपी के बीच क्रेडिट को लेकर विवाद हो गया। डूंगरपुर नगरपरिषद अपने स्तर पर इसकी स्थापना करवाना चाह रही थी वही डूंगरपुर विधायक सरकारी प्रोटोकॉल के तहत सरकार के किसी नुमाइंदे से इसकी स्थापना करवाना चाहते थे वही बीटीपी मूर्ति को लेकर अपना राग अलाप रही थी। इसी विवाद के चलते मूर्ति की स्थापना नहीं हो पा रही थी। विवाद को लेकर संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में एक कमेटी का भी गठन हुआ।

बाइक छीनने वाले 2 फाइनेंसकर्मी गिरफ्तार

आखिरी किश्त ड्यू रहने पर ले गए थे बाइक, कोर्ट ने जेल भेजा

डूंगरपुर। डूंगरपुर में फाइनेंस पर खरीदी बाइक की आखिरी किश्त ड्यू रहने पर बाइक छीनने वाले 2 फाइनेंसकर्मियों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बाइक लेने की बात कबूल कर ली। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उनको जेल भेज दिया है। कोतवाली सीआई दिलीपदान ने बताया कि शंकर पुत्र नाथा डामोर निवासी रास्तापाल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उसने रिपोर्ट में बताया कि उसने 23 जून 2019 को एक बाइक खरीदी। इसके 18 हजार रुपए डाउन पेमेंट दिया और 52 हजार रुपए हीरो फिनकॉर्प से फाइनेंस करवाया। इसकी 2 हजार 780 रुपए की 24 महीने की किश्तें करवाई।

23 महीनो तक पूरी किश्तें भर दी, लेकिन आखिरी एक किश्त ड्यू रह गई। 22 अक्टूबर 2021 को वह डूंगरपुर में किसी काम से आया था।

उसी समय फाइनेंसकर्मी गौरव भाटिया समेत 2 लोगों ने उसे रोका और बाइक छीन ली। उसने किश्त जमा करवाने की भी बात कही, लेकिन दोनों बाइक लेकर चले गए। पीड़ित ने बताया कि वह कई बार किश्त जमा करवाकर बाइक वापस लेने ऑफिस भी गया, लेकिन उसे बाइक नहीं दी। थानाधिकारी दिलिपदान ने बताया कि मामले की जांच करते हुए फाइनेंसकर्मी गौरव पुत्र विनोद भाटिया निवासी कल्याणपुर उदयपुर, सुनील कुमार पुत्र नाथूलाल डामोर निवासी टपाणा उदयपुर को गिरफ्तार किया है।

मोहन भागवत के 15 साल में अखंड भारत के बारे में अपना मतलब स्पष्ट करें : गहलोत

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के 15 साल में अखंड भारत बनने संबंधी कथित बयान पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें अपने बयान का तात्पर्य स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भागवत को इस बारे में भी स्पष्ट करना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद खुद को सांस्कृतिक संगठन बताने वाले आरएसएस की क्या भूमिका है। वह आजादी गौरव यात्रा के राजस्थान आगमन पर रतनपुर (डूंगरपुर) में आयोजित एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। भागवत के बयान का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा, आपने मोहन भागवत जी का बयान पढ़ा होगा कि 15 साल में अखंड भारत बन जाएगा। अभी अखंड भारत नहीं है क्या? उनको स्पष्ट करना चाहिए कि आपका अखंड भारत से तात्पर्य क्या है? मैं समाचारपत्र में पढ़ रहा था कि पाकिस्तान अफगानिस्तान पीओके, भूटान, नेपाल पता नहीं मोहन भागवत जी क्या कहना चाहते हैं। गहलोत ने कहा कि महात्मा गांधी की हत्या के समय सरदार पटेल ने तो आरएसएस पर प्रतिबंध लगा दिया था और तब इसने माफी मांगी थी तथा लिखकर दिया कि वह राजनीति में कभी नहीं आएगा और केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, अब मैं पूछना चाहता हूं कि भाजपा सत्ता में आई है इसमें आपका (आरएसएस) कितना योगदान है? है या नहीं है? गहलोत ने कहा कि आरएसएस को अगर सामाजिक-सांस्कृतिक काम करना है तो वह छुआछूत, ऊंच-नीच मिटाने, सामाजिक सुरक्षा की बात करे या फिर खुलकर राजनीति में आए। उन्होंने कहा, आरएसएस वाले हम पर छिपकर वार क्यों कर रहे हैं। वे कहते हैं कि हम सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यकर्ता हैं और पूरी राजनीति कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, चाहे आरएसएस के आदमी हों, चाहे भाजपा के आदमी हों, इस देश में सबसे अधिक भ्रष्टाचार करने वाले अगर कोई लोग हैं तो यही लोग भरे पड़े हैं। देश में कोई सोच नहीं सकता कि इतना भ्रष्टाचार हो रहा है। भ्रष्टाचार कई गुना बढ़ गया है और लोग समझ नहीं पा रहे हैं। सब डरे हुए हैं इनसे। इसके साथ ही गहलोत ने 2020 में अपनी सरकार पर आए राजनीतिक संकट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर फिर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की बात करने वाले विधायकों की खरीद-फरोख्त कर चुनी हुई सरकारें गिरा रहे हैं। गहलोत ने कहा, मध्य प्रदेश में आपने 22 विधायकों को 35-35 करोड़ रुपये में खरीदकर चुनी हुई सरकार गिरा दी, यह कहां का लोकतंत्र है। राजस्थान सरकार का आप देखिए मेरी सरकार को गिराने के लिए अमित शाह, गजेंद्र सिंह शेखावत, धर्मेंद्र प्रधान ये सब थे। हमारी पार्टी में इन्होंने तोड़-फोड़ शुरू कर दी। आप बताइए क्या यह लोकतंत्र है, कहां ले जाएंगे देश को मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में कांग्रेस कमजोर नहीं है और अगर प्रधानमंत्री मोदी का मुकाबला कोई कर रहा है तो केवल राहुल गांधी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस की यात्रा पूरे देश को संदेश देने वाली है सात साल का कुशासन है देश में, राज में आना एक बात है और धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, वर्ग व भाषा के नाम पर तनाव पैदा करना दूसरी बात है।

खड़गदा क्षेत्रपाल मंदिर में मेले का उद्घाटन हुआ

आज निकलेगी गंगाजल कलश यात्रा और भगवान की पालकी

खड़गदा। मोरन नदी के किनारे पर स्थित भगवान श्री क्षेत्रपाल जी के मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में शुक्रवार सुबह मेले का शुभारंभ हुआ। शनिवार को गंगाजल कलशयात्रा और भगवान की पालकी निकाली जाएगी जो मेले का मुख्य आकर्षण रहेगा।

शुक्रवार सुबह गांव के भगवान लक्ष्मीनारायण जी के मंदिर से गाजेबाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई जो होली चौक होते हुए भगवती माता के मंदिर पहुंची यहां दर्शन के बाद शोभायात्रा ग्वाल चौक से बस स्टैंड होते हुए भगवान श्री क्षेत्रपाल जी के मंदिर पहुंची। इस दौरान मंदिर के संस्थापक नाथूदादा भट्ट और मेला संस्थापक पं. नंदलाल दीक्षित की समाधि पर पुष्प अर्पित किये गये। इसके बाद निरंजनी अखाड़े क्षीरेश्वर के महंत हरगोविंद पुरी के हाथों मेले का शुभारंभ किया गया।

मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शशिकांत पुरोहित ने बताया कि कोरोना काल के बाद इस मेले का आयोजनहो रहा है। मेले में आने वाले लोगों के मनोरंजन के लिये दुकाने भी लगाई गई है। मंत्री दीपक दवे ने सभी का स्वातग किया। मेला संयोजक अनिल पुरोहित ने बताया कि दिनभर हनुमान चालीसा के 108 पाठ और विश्व शांति कामनार्थ हवन हो रहा है। 16 अप्रेल को पूर्णिमा के अवसर पर सुबह 7.30 बजे संगीतमय सुंदरकांड पाठ होगा।शाम तीन बजे मंदिर से 1001 कलशों की शोभायात्रा निकाली जाएगी।

कोरोना काल में डाक्टरों की भूमिका कभी भुलाई नहीं जा सकती :परसादी लाल मीणा

जयपुर। चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि लैब टेक्नीशियन सहित मेडिकल स्टाफ ने कोरोना महामारी में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि लैब टेक्नीशियन वर्ग की मांगों को संबंधित स्तर तक ले जाकर पूर्ण कराने के प्रयास किए जाएंगे। मीणा शुक्रवार को सुश्रुत सभागार में लैब टेक्नीशियन दिवस के अवसर पर अखिल राजस्थान लैब टेक्नीशियन कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राज्य कर्मचारियों के हित में हमेशा अहम कदम उठाए हैं। पुरानी पेंशन बहाली का बहुप्रतीक्षित मामला हो या पदनाम परिवर्तन का मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हमेशा राज्य कर्मचारियों का ध्यान रखा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आगे भी कार्मिकों की मांगों पर सहानुभूति पूर्वक रवैया अपनाते हुए उचित मांगों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी अभी गई नहीं है, ऐसे में स्वास्थ्य कार्मिक पूरी तरह सजग और सतर्क रहें। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार देश की पहली सरकार है जिसने कर्मचारियों के हित के लिए पुरानी पेंशन बहाली जैसा बड़ा कदम उठाया है।

आरएसएस को बीजेपी में मर्ज हो जाना चहिए :गहलोत

आजादी गौरव यात्रा का रतनपुर बॉर्डर से राजस्थान में हुआ प्रवेश, सीएम अशोक गहलोत सहित कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने किया स्वागत

डूंगरपुर। गुजरात के साबरमती से 6 अप्रैल को शुरू हुई कांग्रेस की आजादी गौरव यात्रा का आज रतनपुर बॉर्डर से राजस्थान में प्रवेश हुआ। सीएम अशोक गहलोत, एआईसीसी महासचिव मुकुल वासनिक, कांग्रेस प्रभारी अजय माकन, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित अन्य कांग्रेसी नेताओं ने स्वागत किया। इस दौरान आयोजित सभा में सीएम अशोक गहलोत ने भाजपा व आरएसएस पर निशाना साधते हुए कहा कि आरएसएस को बीजेपी में मर्ज हो जाना चहिये। गुजरात के साबरमती से निकली आजादी गौरव यात्रा ने आज शुक्रवार को राजस्थान की सीमा में प्रवेश किया। गुजरात कांग्रेस के प्रभारी और राजस्थान के पूर्व मंत्री रघु शर्मा के नेतृत्व में झंडा लेकर हजारों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे। बॉर्डर पर गौरव यात्रा के आते ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राजस्थान के प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव मुकुल वासनिक, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटसरा, रघु शर्मा, केबिनेट मंत्री महेंद्रजीत मालविया, सीडब्ल्यूसी के सदस्य रघुवीर मीणा,सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी भाई, यूथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गणेश घोघरा समेत कई नेताओं ने स्वागत किया।

झंडा लेकर आए रघु शर्मा को सूत की माला पहनाकर स्वागत के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, समेत तमाम मंत्री और नेताओ ने झंडा पकड़ा। यात्रा के राजस्थान की सीमा में प्रवेश के बाद मुख्यमंत्री समेत कांग्रेस के सभी नेता 1 किमी की पदयात्रा करते हुए रतनपुर बॉर्डर पर सभा स्थल पर पहुंचे। रतनपुर बोर्डर के पास आयोजित सभा को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सम्बोधित किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा व आरएसएस को आड़े हाथो लेते हुए देश में बिगड़े हालातो पर जमकर निशाना सादा। इस मौके पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा की आरएसएस व भाजपा देश में लोगो को हिंदुत्व के नाम पर भड़काने व आग लगाने का काम कर रही है। इनका लोकतंत्र में यकीन नहीं है। उन्होंने कहा की जाति और धर्म के नाम पर तनाव पैदा करना गलत है। देश में ऐसी शक्तियां कर रही काम,

जिनका लोकतंत्र में विश्वास नहीं है और इसी वजह से देश में असुरक्षा का माहौल बना हुआ है7 उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा 15 साल में अखंड भारत बन जाएगा के दिए गए बयान पर निशाना साधा। उन्होंने कहा की हिंदुत्व को लेकर देश में राजनीति करना ठीक नही है। मुख्यमंत्री ने आरएसएस को बीजेपी में मर्ज होकर खुले तोर पर राजनीति करने की सलाह दी है।

भाजपा को बताया लोकतंत्र के लिए खतरा

इधर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा की भाजपा व आरएसएस आग लगाने का काम करती है जबकि कांग्रेस पार्टी आग बुझाने का काम करती है।

उन्होंने के कहा की भाजपा पार्टी लोकतंत्र के लिए खतरा है। इंदिरा गाँधी ने देश के लिए अपनी जान दे दी थी। लेकिन भाजपा सरकार घमंड में चल रही है। लोकतंत्र की हत्या करते हुए सरकारों को गिराने का काम कर रही है। वही पार्टियों व नेताओं को ईडी, इनकम टेक्स, सीबीआई के छापो से दबाया जा रहा है।

भाजपा ने मध्यप्रदेश में विधायको को खरीदकर कांग्रेस की सरकार गिरा दी। वही राजस्थान में भी केन्द्रीय मंत्री अमित शाह, गजेन्द्र सिंह शेखावत और धर्मेन्द्र राठोड ने षड्यंत्र रचकर सरकार गिराने की कोशिश की लेकिन वे यहाँ सफल नहीं पाए।

मोदी को हिंसा को रोकने के लिए आगे आकर लोगों से करना चाहिए अपील

मेरी सरकार गिराने के लिए अमित शाह, गजेंद्र शेखावत ने तोड़फोड़ की

रतनपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट खेमे की बगावत के समय हुए सियासी संकट को फिर याद किया है। उन्होंने पीएम, अमित शाह, गजेंद्र सिंह शेखावत को निशाने पर लिया है। गहलोत ने कहा कि राजस्थान में अमित शाह और जोधपुर वाले एमपी गजेंद्र सिंह को शर्म ही नहीं आई। जोधपुर का एमएलए मैं हूं, मुझे मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला हुआ है। फिर भी सरकार गिराने की कोशिश की। मेरी सरकार गिराने के लिए अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान, गजेंद्र शेखावत ने हमारी पार्टी के अंदर तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी थी। आप बताइए, यह लोकतंत्र है। कहां ले जाएंगे देश को। गहलोत डूंगरपुर जिले में गुजरात से सटे रतनपुर बॉर्डर पर कांग्रेस की आजादी गौरव यात्रा में बोल रहे थे। गहलोत ने कहा- इससे अच्छा होता कि हम निकम्मे थे।

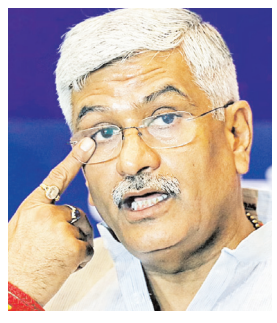

काम नहीं कर रहे थे। राजस्थान का लॉ एंड ऑर्डर खराब हो गया। सब कुछ ब्रेक डाउन हो गया तो आप सरकार भंग कर देते। एमएलए खरीदकर आप देश को कहां ले जाना चाहते हैं? मोदीजी और अमित शाह पर यह दोष जो लगा है, देश के इतिहास में काले अक्षरों में लिखा जाएगा। इसे कोई मिटा नहीं सकता। गहलोत ने कहा- गुजरात प्यारा स्टेट, लेकिन यहां शासन करने वाले बड़े खतरनाक लोग हैं। चाहे वह अमित शाहजी हों या मोदीजी। कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं। उनकी कथनी करनी में भयंकर अंतर है। जो बहुत खतरनाक होता है। शासन करने वालों को दिल बड़ा रखना चाहिए। मोदीजी ने कहा कि 56 इंच का सीना है मेरा तो। यह वास्तव में दिखाना चाहिए था। संवेदनशीलता से शासन करते। सब जाति, धर्म, वर्गों को साथ लेकर चलते। देश का प्रधानमंत्री किसे कहते हैं? गहलोत ने कहा- गृह मंत्री जहां कभी सरदार पटेल बैठे थे, वहां आप बैठे हो। क्या करतूतें ?कर रहे हो। विधायक खरीदकर सरकारें गिराओ। वोटों के माध्यम से नहीं पैसों के जरिए एमएलए खरीदो। राज्यसभा चुनाव हो तो एमएलए खरीदकर राज्यसभा की सीट जीतो। मध्य प्रदेश में सरकार चुनी हुई थी। आपने 22 एमएलए को 35-35 करोड़ में खरीदकर सरकार गिरा दी। यह कहां का लोकतंत्र है। गहलोत ने कहा- यहां गुजरात के प्रभारी रघु शर्मा बैठे हैं। रघु शर्मा ने कहा था कि या तो प्रभारी रहूंगा या मंत्री रहूंगा। इन्होंने मंत्री की जगह प्रभारी बनना मंजूर किया। कितनी बड़ी बात है। पीसीसी चीफ गोविंद डोटासरा मंत्री थे। इन्होंने मंत्री की जगह पीसीसी अध्यक्ष रहना मंजूर किया। मंत्री पद आते-जाते रहते हैं। मंत्री तो आप कभी बन जाओगे।

सीएम ने रघु शर्मा से कहा- रघु शर्मा, गोविंद डोटासरा, हरीश चौधरी आप खुद की इच्छा से मंत्री पद से हटे हो। आप जब चाहोगे तब मंत्री बन जाओगे। योगदान दे रहे हो। मैं गुजरात का प्रभारी था। मुझे इन्होंने मुख्यमंत्री बना दिया। आप समझो। राहुल गांधी ने आपको सोच-समझकर गुजरात भेजा है। मैं खुद 10 महीने प्रभारी रहा वहां पर। गुजरात बहुत प्यारा स्टेट है।